

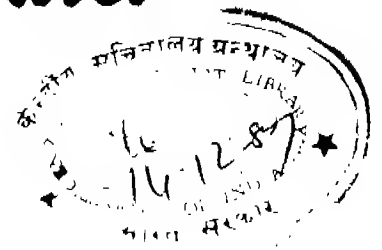


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

आधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

सं० 537]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्तूबर 26, 1987/कार्तिक 4, 1909

No. 537]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 26, 1987/KARTIKA 4, 1909

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 अक्तूबर, 1987

अधिसूचना

का.आ. 941(अ).—पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पूर्वी क्षेत्र)  
जो साधारणतया पी एल ए के नाम से ज्ञात है, पीपुल्स रेवो-  
ल्यूशनरी पार्टी आफ कांगलीपक (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
प्रेषक कहा गया है) और उसकी "रेड आर्मी" तथा प्रेषक  
की अन्य शाखाएं भी, जैसे कांगलीपक कम्युनिस्ट पार्टी और  
उसकी सशस्त्र विंग जिसे "रेड आर्मी" भी कहा जाता है और  
यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
सामूहिक रूप से मैसेई उग्रवादी संगठन कहा गया है),—

(i) अपने उद्देश्य के रूप में खुले रूप से घोषणा कर  
चुके हैं कि वे एक स्वतन्त्र मणिपुर का गठन  
करेंगे जिसमें मणिपुर का राज्य समाविष्ट होगा  
तथा जिन्होंने उक्त राज्य के भारत के संघ से  
विलग करने के अपने उद्देश्य के अनुसरण में  
हिंसात्मक कार्रवाइयां प्रारम्भ कर दी हैं ;

(ii) सशस्त्र बलों, अर्थात्, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी,  
रेड आर्मी के नाम से ज्ञात बलों उनके सदस्यों

तथा उनके द्वारा स्थापित अन्य निकायों का उप-  
योग अपने उपर्युक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए  
कर रहे हैं ;

(iii) अपने उपर्युक्त उद्देश्य को अग्रसर करने के लिए  
उक्त सशस्त्र बलों, उनके सदस्यों का उपयोग  
मणिपुर के राज्य के सुरक्षा बलों और सिविल  
सरकार तथा नागरिकों पर आक्रमण करने के  
लिए कर रहे हैं ; और विद्रोह आवादी के विरुद्ध  
लूट और अभिजात तथा अपने संगठनों के लिए  
निधि संग्रह करने के कार्यों में लगे हुए हैं ;

(iv) अपने उपर्युक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए,  
सशस्त्र और प्रशिक्षण के रूप में सहायता पाने के  
लिए, विदेशों के साथ संपर्क करने के अपने प्रयास  
पुनः प्रारम्भ कर चुके हैं,

और केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि उपर्युक्त कारणों से  
मैसेई उग्रवादी संगठन और उनके द्वारा गठित अन्य निकाय,  
जिनके अन्तर्गत ऊपर नामित सशस्त्र सन्तुह भी हैं, विधि-  
विरुद्ध संगम है ;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय भी है कि उक्त मैतेई उग्रवादी संगठनों के सशस्त्र समूहों द्वारा पुलिस बलों और सिविल आबादी पर हमलों और हिंसा के लगातार कार्यों के कारण यह आवश्यक है कि मैतेई उग्रवादी संगठनों और उनके द्वारा स्थापित अन्य निकायों को, जिनके अन्तर्गत ऊपर नामित सशस्त्र समूह भी है, तुरन्त प्रभावी रूप से विधिविरुद्ध घोषित किया जाए।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पूर्वी क्षेत्र), पीपुल्स रेवोल्यूशनरी पार्टी आफ कांगलीपक, और उसकी रैड आर्मी, तथा प्रेषक के अन्य उपदलों को भी, जैसे कांगलीपक कम्युनिस्ट पार्टी और उसका सशस्त्र विंग, जो रैड आर्मी भी कहलाता है, और उनके द्वारा स्थापित अन्य निकायों तथा यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट को विधिविरुद्ध संगम घोषित करती है और उस धारा की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि यह अधिसूचना उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन बनाए गए किसी आदेश के अधीन रहते हुए, राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होगी।

[फा. सं. 11/32/87-एन ई-1]

आर. वासुदेवन, संयुक्त सचिव (एन ई)

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 26th October, 1987

### NOTIFICATION

S.O. 941(E).—Whereas the People's Liberation Army (Eastern Region), generally known as the PLA, the People's Revolutionary Party of Kangleipak (hereinafter referred to as PREPAK) and its 'Red Army' as also the offshoots of PREPAK like the Kangleipak Communist Party and its armed wing also called the 'Red Army' and the United National Liberation Front (hereinafter collectively referred to as the Meitei Extremist Organisations)—

- (i) have openly declared as their objective the formation of an independent Manipur comprising the State of Manipur and have resorted to violent activities in pursuance of their objective to bring about secession of the said State from the Union of India;

- (ii) have been employing armed forces, namely the so-called People's Liberation Army, the Red Army, their members and the other bodies set up by them, to achieve their aforesaid objective;
- (iii) have in furtherance of their aforesaid objective been employing the said armed forces and members in attacking the Security Forces and the Civil Government and the citizens in the State of Manipur, and indulging in acts of looting and intimidation against the civilian population for collection of funds for their organisations;
- (iv) have made some efforts to resume their contacts with foreign countries for securing assistance by way of arms and training for the purpose of achieving their aforesaid objective.

And whereas the Central Government is of the opinion that for the reasons aforesaid, the Meitei Extremist Organisations and other bodies set up by them, including the armed groups named above, are unlawful associations;

And whereas the Central Government is further of the opinion that because of the repeated acts of violence and attacks by armed groups and members of the Meitei Extremist Organisations on the security forces and on the civilian population, it is necessary to declare the Meitei Extremist organisations and other bodies set up by them, including the armed groups named above to be unlawful with immediate effect;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967); the Central Government hereby declares the People's Liberation Army (Eastern Region), People's Revolutionary Party of Kangleipak and its Red Army as also offshoots of PREPAK like the Kangleipak Communist Party and its armed wing also called the Red Army and other bodies set up by them and the United National Liberation Front to be unlawful associations, and directs, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of that section, that this notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 11/32/87-NE. I]

R. VASUDEVAN, Jt. Secy.